ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 PP. NO.- 190-191

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-II, Issues-17, YEAR- Sept. -2020

विकास खण्ड पवई (जनपद आजमगढ़) में परिवहन एवं संचार सुविधाओं का विवरण

ममता सिंह

असिस्टेण्ट प्रोफेसर– भूगोल विभाग, पार्वती महिला महाविद्यालय, कलान, सुल्तानपुर (उ0प्र0), भारत

Received- 13.08.2020, Revised- 17.08.2020, Accepted - 20.08.2020 E-mail: - satyam842@gmail.com

सारांश : ***परिवहन वह व्यवस्था, जिसमें यन्त्रों तथा संवहनों द्वारा मनुष्य और मालभार को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाया जाता है। इससे कृषि तथ उद्योग के विकास करने में सहायता मिलती है। व्यापार परिवहन की सुविधा और संचार साधनों पर आश्रित रहता हैं आधुनिक युग में यातायात एवं संचार सुविधा और सशक्त माध्यम है, जिनसे किसी भी क्षेत्र का आर्थिक विकास जुड़ा होता है तथा इन्ही के द्वारा एक क्षेत्र का दूसरे क्षेत्र से अर्न्तसंबन्ध स्थापित होता है एवं उत्पादित वस्तुओं का आदान–प्रदान तीव्र गति से होता है। (रॉन डिनेली एवं रूडले 1976) पॉचवी पंचवर्षीय योजना के समय यह संकल्प किया गया था कि जिन गॉवों की आबादी 1500 या उससे अधिक है, उन सभी गॉवो तक सड़को की बुनियादी आवश्यकता उपलब्ध करा दी जायेगी, इसको ध्यान में रखकर सड़को के निर्माण पर विशेष बल दिया गया है, साथ ही उन गॉवों के बेरोजगार, अल्परोजगार उपलब्ध कराया जाता है।***

कुंजीभूत शब्द– परिवहन, यन्त्रों, संवहनों, कृषि, उद्योग, विकास, सुविधा, संचार, साधनों, आश्रित ।

यातायात एवं संचार माध्यम का मुख्य कार्य उत्पादन कार्य में संलग्न जनसंख्या एवं उपभोक्ता के बीच की दूरी एव समय की खाई को पाटना है। अध्ययन क्षेत्र मुख्य मार्ग पर स्थित नही है। अध्ययन क्षेत्र के मुख्य मार्ग तक पहुँचने के लिए सम्पर्क मार्ग बनाये गये है।

अध्ययन क्षेत्र के बीचो–बीच पूरब से पश्चिम सम्पर्क मार्ग कलान से माहुल स्थित है तथा उत्तर से दक्षिण खैरूद्दीनपुर से मित्तूपुर 16किमी0 स्थित है।

अध्ययन क्षेत्र मुख्यालय से 3किमी0 पश्चिम मुख्य मार्ग वाराणसी, फैजाबाद (लुम्बनी दुद्धी) को जोड़ती है अध्ययन क्षेत्र मुख्यालय से दक्षिण 10 किमी0 की दूरी लखनऊ आजमगढ़ मार्ग से मिलती है। विकास खण्ड पवई सम्पर्क मार्ग कलान से माहुल एवं मित्तूपुर, सरायपुल सम्पर्क मार्ग के मध्य स्थित है।

मुख्यालय से एक मार्ग उत्तर की तरफ मित्तूपुर होता हुआ जलालपुर (अम्बेडकरनगर) चला जाता है दूसरा महत्वपूर्ण मार्ग शाहगंज (जौनपुर) मार्ग है जो पुलसराय, खेरूद्दीनपुर होते हुए शाहगंज(जौनपुर) चला जाता है। इस अध्ययन क्षेत्र मे रेलमार्ग भी पवई से लगभग 10किमी0 दक्षिण खानजहॉ हाल्ट तथा 6 किमी0 पश्चिम बिलवाई रेलवे स्टेशन है। अध्ययन क्षेत्र के विविध मार्गो पर 24 बस स्टाफ है (जिसमें न्याय पंचायत बस्ती चकगुलरा, सुम्हाडीह बागबहार, मित्तूपुर, सुल्तानपुर, मिल्कीपुर) अध्ययन क्षेत्र मुख्यालय से उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसें जो वाराणसी, आजमगढ़, कानपुर, अम्बेडकरनगर, सुल्तानपुर की तरफजाती है। अपनी सेवायें क्षेत्रीय लोगों को प्रदान करती है। न्याय पचांयत अम्बारी तथा बहाउद्दीनपुर मुख्य मार्ग आजमगढ़–लखनऊ से मिलती है। अध्ययन क्षेत्र में परिवहन तंत्र का विवरणर इस प्रकार है।

1– सड़क परिवहनः– अध्ययन क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में सड़के महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिससे मण्डियों, बाजारों, प्रशासनिक मुख्यालयों तथा वाणिज्यिक केन्द्रों के बीच यातायात एवं आवागमन सुविधा सुलभ होती है यहॉ सड़के कच्ची व पक्की दोनों है।

1. पक्की सड़कें– यद्यपि अध्ययन क्षेत्र में पक्की सड़कों का निर्माण कम हुआ है, किन्तु इसका निर्माण कार्य त्वरित गति से चल रहा है। पश्चिम से पूरब को जाने वाला लखनऊ, आजमगढ़ क्षेत्र को अत्यधिक योगदान कर रहा है क्षेत्र मुख्यालय से मुख्य राजमार्गो की दूरी इस प्रकार है–

1. शाहगंज से आजमगढ़ 10किमी0
2. पवई से मित्तूपुर 10किमी0
3. अम्बारी से बूढ़नपुर 12किमी0
4. फूलपुर से बिलवाई 20 किमी0 इसी पर स्थित है।

2. कच्ची सड़के– जहॉ पक्की सड़कों का निर्माण नही हो पाया है वहॉ आवागमन का मुख्य कार्य कच्ची सड़के ही कर रही है वे या तो सीधे पक्की सड़को से मिली है अथवा एक कच्ची सड़क दूसरी कच्ची सड़क से मिलती हुई पक्की सड़क में ले जाकर जोड़ देती है।

PIF/6.500 *ASVS Reg. No. AZM 561/2013-14*

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-II, Issues-17, YEAR- Sept. -2020

सड़को से दूर के गॉव में खडन्जा ही आवागमन का मुख्य मार्ग है– इब्राहिमपुर, कासिमपुर, मझौरा, नाहरपुर, नशोपुर, दलीपपुर, जमुहट, अलीनगर, करौजा, हाजीपुर–कुदरत आदि बहुत से ऐसे गॉव है जो खडन्जो द्वारा राज मार्गो से जुड़े है।

3. पगडण्डियॉ– अध्ययन क्षेत्र ग्रामीण है। ग्रामीण क्षेत्रों में पगडण्डियों का महत्व अधिक है। क्षेत्र में चकबन्दी के पहले से ही गमनागमन था। लोग पगडण्डियों से अपने खेत खलिहानों में पहुॅचते थे। चकबन्दी योजना में अनियमित एवं अनियंत्रित पगडण्डियों के स्थान पर सीधे सेक्टर मार्गो को प्रस्तावित किया गया नदियों के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में आज भी पगडण्डियॉ मिलती है। जो कहीं–कहीं एक गॉव से दूसरे गॉव व कच्ची सड़क से सीधे गॉव तक जुड़ी है। गॉव तक जाने के लिए ग्रामीण इन पगडण्डियों का प्रयोग शार्टकट अथवा सीधी गन्तव्यता के लिए करते है।

2– रेल परिवहनः– इसकी लम्बाई 10किमी0 है। अध्ययन क्षेत्र के दक्षिणी भाग से मात्र एक रेलवे लाइन गुजरती है जो शाहगंज से इन्दारा–बलिया बड़ी रेलवे लाइन के रूप में जानी जाती है। अध्ययन क्षेत्र में मात्र एक स्टेशन दीदारगंज (अम्बारी) है। इस रेल मार्ग का प्रारम्भ 14 फरवरी 1903 को हुआ। पहले छोटी लाइन थी जो 1987 में बड़ी लाइन बनी। इस समय इस पर कई सुपर फास्ट ट्रेन चलती है। न्याय पंचायत बाग बहार एवं बस्ती चकगुलरा, बनारस, फैजाबाद (लुम्बनी–दुद्धी) मार्ग से मिलती है। इस मार्ग पर खैरूद्दीनपुर, पुलसराय, सिकन्दरपट्टी, लारपुर गौह र कलान एवं बिलवाई बस स्टाप है। मुख्यालय से 5 किमी0 दूरी से एक मार्ग, निकलकर न्यायपंचायत कोहड़ा होती हुई मुख्य मार्ग आजमगढ़ शाहगंज, लखनऊ चली जाती है। अध्ययन क्षेत्र मुख्यालय से उत्तर की तरफ न्याय पंचायत रामनगर, सुल्तानपुर, मित्तूपुर, आगे बढ़ती हुई जलालपुर (अम्बेडकरनगर) चली जाती है। पूरे विकास खण्ड में कच्ची एवं पक्की सड़कों को मिलाकर कुल 203 सड़के पायी जाती है, जिस पर आटो–रिक्शा, इक्का, रिक्शा, बस, जीप आदि का संचालन होता है।

संचार व्यवस्थाः– विकास खण्ड पवई में संचार माध्यम के अन्तर्गत डाकघर एवं टेलीफोन का मुख्य स्थान है। इस समय ऐसी संचार क्रान्ति चल रही है कि जहॉ सम्पर्क मार्ग का अभाव है परन्तु वहॉ टेलीफोन, डाक–पत्रिकाऍ आदि सुलभता से उपलब्ध है।

अध्ययन में डाकघरों की कुल संख्या 17 है, डाक एव ंतारघर मात्र एक है। न्याय पंचायत स्तर पर पर्याप्त असमानता है। न्याय पंचायत मित्तूपुर में एक डाकघर पाया जाता है, जिस पर 17015 जनसंख्या का भार है। इसी प्रकार न्याय पंचायत सौदमा में 18864 जनसंख्या पर 3 डाकघर सुल्तानपुर पर 10608 पर 1 डाकघर न्याय पंचायत रामनगर में 12983 जनसंख्या पर 1 डाकघर, न्याय पंचायत बस्ती चकगुलरा 14214 जनसंख्या पर 1 डाकघर, न्याय पंचायत बागबहार में 19795 जनसंख्या पर 2 डाकघर, न्याय पंचायत अम्बारी 16744 जनसंख्या पर 1 डाकघर, बहाउद्दीनपुर में 11378 जनसंख्या पर 1 डाकघर, शाहराजा 11162 जनसंख्या पर 1 डाकघर, फत्तनपुर 18959 पर 2 डाकघर, सुम्हाडीह 18443 जनसंख्या 1 डाकघर पाये जाते है।

अधिक टेलीफोन लाने के लिए कार्य तीव्र गति से चल रहा है। इसके अतिरिक्त पूरे अध्ययन क्षेत्र में टेलीफोन की पर्याप्त सुविधा है। पवई, मित्तूपुर, माहुल, अम्बारी, लखमापुर में बी.एस.एन.एल. का टावर, बिलवाई में हच का टावर एवं कई ऐयरटेल के टावर है। विकास खण्ड पवई में यातायात एवं संचार सुविधाओं का विवरण

क0सं0	यातायात एवं संचार सुविधाऍ	संख्या
1	बस स्टाप	24
2	पक्की सड़क	136
3	कच्ची सड़क	132
4	तार व डाकघर	1
5	डाकघर	17

स्रोत–जिला सांख्यिकी पत्रिका आजमगढ़ (2005)

निष्कर्षः– आधुनिक युग में यातायात एवं संचार सुविधा एक सशक्त माध्यम है, जिनसे किसी भी क्षेत्र का आर्थिक विकास जुड़ा होता है। परिवहन तंत्र समय तंत्र एवं मूल्यों को कम करता है। जिसमें यन्वं संवहनो द्वारा मनुष्य और माल भार को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुचाया जाता है। व्यापार परिवहन की सुविधा और संचार साधनों पर आश्रित रहता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. spate, O.H.K Oespande, C.D. and The In dian Village Geography, 1952, P. 142.
2. District Gazetter of- United Provinces, Azamgarh, Vol. XXXIII, Allahabad, 1906 P. 66.
3. Sing B.B. Agricultural Geography (in Hindi) Tara Publication Varanasi, 1979.

*****

PIF/6.500 *ASVS Reg. No. AZM 561/2013-14*